भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

राज्यर सभा

लिखित प्रश्न सं. **2120** जिसका उत्तपर

सोमवार, 28 जुलाई, 2014/6 श्रावण, 1936 (शक) को दिया जाना है

राष्ट्री□यजलमार्ग संख्यास5 का विकास

2120. डा. चंदन मित्रा :

क्या□ **पोत परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्री□य जलमार्ग संख्याप5 के कार्य की मौजूदा स्थिति क्या है और प्रथम पांच वर्षों के दौरान इसके लिए कितनी निधियां आबंटित/जारी/उपयोग की गईं;

(ख) ओडिशा नहर की पुरानी जल परिवहन प्रणाली के पुनरुद्धार में विलम्ब के क्या□ कारण हैं; और

(ग) राष्ट्री□य जलमार्ग संख्यान5 के शीघ्र विकास हेतु सरकार द्वारा क्याद नये कदम उठाये गए हैं

उत्तगर

पोत परिवहन राज्यओ मंत्री

(श्री कृष्णपाल गुर्जर)

(क) : भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (भा.अं.ज.प्रा.) ने राष्ट्रीनय जलमार्ग-5 में नौगम्यरता के संबंध में इसकी मौजूदा स्थिति के आकलन हेतु इसके नदी भाग में विस्तृात हाइ ड्रोग्राफिक सर्वेक्षण कार्य पूरा किया है। इसके आधार पर पहले चरण में जोकादिया- धमरा/पारादीप खंड में विकास से संबंधित कामकाज प्रारंभ करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

11वीं योजना (2007-12) के दौरान, रा.ज.-5 के विकास हेतु कोई धन आवंटित नहीं किया गया था। वर्ष 2012-13 के दौरान उपर्युक्ता वित्तीनय वर्ष के बाद के भाग में संशोधित अनुमान स्तहर पर 0.70 करोड़ रू की एक राशि आवंटित की गई। यद्यपि हाइ ड्रोग्राफिक सर्वेक्षण कार्य वर्ष 2012-13 के दौरान प्रारंभ हो गया था, इस वर्ष के दौरान कोई व्यडय नहीं किया जा सका। वर्ष 2013-14 के दौरान, रा.ज.-5 के विकास के लिए 2.0 करोड़ रू की एक राशि आवंटित की गई जिसमें से 0.85 करोड़ रू. का व्यपय किया गया। रा.ज.-5 के विकास के लिए वर्ष 2014-15 में 5.0 करोड़ रू. का एक बजटीय आवंटन किया गया है।

(ख) : पूर्वी तट कनाल के ग्योएन्खेली-चरबतिया खंड (217 किमी), पुरानी ओडिशा कोस्ट कनाल जिसका एक भाग है, का विकास रा.ज.-5 के नदी भाग में विकासात्म(क कार्य पूरे कर लिए जाने के बाद प्रारंभ किया जाना प्रस्ता□वित है क्योंएकि इसमें इस कनाल को चौड़ा बनाए जाने हेतु काफी भूमि अधिग्रहण और इसके पुनरूत्था न के लिए ड्रैजिंग/गाद हटाने का कार्य शामिल होगा।

(ग) : योजना आयोग द्वारा दी गई सलाह के अनुसार राष्ट्रीशय जलमार्ग-5 के वाणिज्यि□क रूप से व्यइवहार्य खंडों को विकास सरकारी व गैर सरकारी भागीदारी के माध्यलम से करने की संभावनाओं को तलाशा गया। तथापि, इसे व्यसवहारिक नहीं पाया गया। इसलिए, रा.ज.-5 को बजटीय सहायता के माध्यम से चरणबद्ध रूप से विकसित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में एक कदम के रूप में, 332 कि.मी. लंबे वाणिज्यि□क रूप से व्यकवहार्य खंड को दो चरणों में विकसित किए जाने हेतु ओडिशा सरकार, पारादीप पत्त.न और धमरा पोर्ट कंपनी लि. और भा.अं.ज.प्रा. के बीच 30 जून, 2014 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्तापक्षर किए गए। फेज़-1 के दौरान, पान्कोयपल/जाकोदिया से पारादीप और धमरा तक के 201 कि मी लंबे खंड का विकास किया जाना प्रस्तादवित है। तल्चनर और पान्को/पल/जाकोदिया के बीच 131 कि.मी. के खंड का कार्य दूसरे फेज़ में प्रारंभ किया जाएगा। मैसर्स वैपकॉस लि. को इन खंडों हेतु विस्तृ त परियोजना रिपोर्ट को संशोधित किए जाने का काम सौंपा गया है।

****